सबको शामिल करना: उच्च प्राथमिक भाषा और साक्षरता

हिन्दी
कमेंट्री: इस उच्च प्राथमिक कक्षा में, विद्यार्थी, अपनी घर की भाषा के लोकगीतों का, स्कूल की भाषा में अनुवाद कर रहे हैं। **शिक्षिका:** तो क्या आप चाहोगे, कि हम इन गीतों का हिन्दी में अनुवाद करें? **विद्यार्थी:** Yes, ma'am. **शिक्षिका:** ठीक है? आँचलिक भाषा के गीतों का हम, हिन्दी भाषा में अनुवाद करेंगे। अब, आप लोग group बनाइए, जैसे आप group में बैठते हैं। आप वैसे group बना लीजिए। Group बनाइए। बुंदेलखंडी गीत है, इसका आपको अनुवाद करना है। कमेंट्री: हरेक समूह को अनुवाद के लिए अलग अलग गीत दिया गया है। शिक्षिका, स्पष्ट निर्देश देने का ध्यान रखती हैं। **शिक्षिका:** आप सबको गीत मिल गए हैं। **विद्यार्थी:** Yes, ma'am. **शिक्षिका:** आपको बुंदेलखंड के दिए हैं मैंने, आपको अवधि भाषा के दिए हैं। इस side, मैंने निमाडी` भाषा के गीत दिए हैं। अब आपको क्या करना है? आपको जो गीत मिले हैं, उनका हिन्दी में अनुवाद करना है। इस काम के लिए आपको आप चारों में से एक group leader बनाना है। और, चारों मिलकर अनुवाद करेंगे। और वो जो group leader है, वो लिखेगा। ठीक है? इस काम के लिए आपको, दस मिनिट का समय दिया जाएगा। ठीक है? **विद्यार्थी १:** मांगो, मांगो हुओ अनाज। **विद्यार्थी:** महँगा, महँगा हुआ अनाज। **विद्यार्थी २:** उसने कहा, सोने की औरत बना लो। **विद्यार्थी ३:** सोने की औरत, सोने की पत्नी। **विद्यार्थी ४:** नहीं, नहीं, इस में औरत लिखा है ना? **विद्यार्थी ३:** सोने की औरत, बना मेरे भाई...

विद्यार्थी ४: उसने ने बोला, पत्नी...

विद्यार्थी २: कुछ भी लिख दो।

विद्यार्थी ५: पराई...

विद्यार्थी ६: ना करियो।

विद्यार्थी ७: पराई...

विद्यार्थी ८: नहीं करना।

विद्यार्थी ५: नहीं करना।

विद्यार्थी ८: सुनी...

विद्यार्थी ६: ना जाए।

विद्यार्थी ५: नहीं जाए।

कमेंट्री:

ध्यान दीजिए, सभी विद्यार्थियों को चर्चा, लेखन या गाने में शामिल करने के लिए, गतिविधि में कितनी विविधता है!

विद्यार्थी ९: पिया वचन मान जाईयो।

शिक्षिका: हाँ, अब जब हम अनुवाद करेंगे, तो कैसे गाएँगे इसको?

विद्यार्थी ९: सगे भैया...

विद्यार्थी व शिक्षिका: सगे भैया को जहर ना पिलाना; पिया वचन मान जाना।

विद्यार्थी १०: Ma'am, वचन का मतलब, मेरी बात मान जाओ।

शिक्षिका: हाँ...

विद्यार्थी: सोयाबीन के है बहाल...

विद्यार्थी ११: सोयाबीन के क्या भाव है? गरमी से पिचके गाल... गरमी में वो इतने दुबले पतले हो जाते हैं, भुन-भुन के, तो गाल पूरे पिचक जाते हैं।

शिक्षिका: सारे group ने अनुवाद कर लिया?

विद्यार्थी: Yes, ma'am.

शिक्षिका: अब क्या करना है कि जो आपने अनुवाद किया है, उसको आपको, यहाँ आके सुनाना है। मैं बारी-बारी से, हर group को बुलाउँगी यहाँ पे। आपका group आयेगा?

विद्यार्थी: Yes, ma'am.

शिक्षिका: चलिए, आपका group आईये, group आईये।

आप कौनसा गीत गाएँगे?

विद्यार्थी १२: बिदाई लोकगीत।

टिचर: बिदाई लोकगीत है? कौनसी भाषा का है ये?

छात्रा: बुंदेलखंडी।

शिक्षिका: अच्छा, दो line आप गाएँगे - बुदेंलखंड के लोकगीत की दो line - आप गाएँगे, और इसके बाद आप गाएँगे। हिन्दी में इनका अनुवाद आप करेंगे। ठीक है? चलिए, शुरू करिए।

विद्यार्थी १२ व १३: मोरी खबर लै रइयो, रे बाबुल। मोरी खबर लै रइयो।

विद्यार्थी १४ व १५: मेरी खबर लेते रहना, जी बाबुल। मेरी खबर लेते रहना।

विद्यार्थी १२ व १३: पकर उँगरिया सँगै चलतही...

कमेंट्री:

विद्यार्थियों की संस्कृतियों और घर की भाषाओं को स्वीकारना और महत्ता देना - उन्हें अपनेपन का एहसास करवाता है।

क्या आप जानते हैं, कि आपके विद्यार्थी कौन-कौन सी भाषाएँ बोलते हैं? अपने विद्यार्थियों की विविध पृष्ठभूमि की बारीकियों को खोजने के लिए, आप कौन-कौन सी गतिविधियाँ शुरू कर सकते हैं?